HISTORY & ANCIENT INDIAN HISTORY CULTURE & ARCHAEOLOGY
COURSE OUTCOME

इतिहास विभाग द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर संचालित किये जाते हैं।

COURSE 1 **स्नातक (बी.ए.) (इतिहास)** :- उद्देश्य :- स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को सम्पूर्ण भारतीय इतिहास एवं संस्कृति से अवगत कराने के साथ -साथ आधुनिक युग में विश्व में घटित प्रमुख घटनाओं से भी अवगत कराना है।

OUTCOME स्नातक स्तर पर इतिहास के अध्ययन से विद्यार्थी भारत के प्रागैतिहासिक काल से लेकर आजादी तक के इतिहास के साथ साथ विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं से भी अवगत हो जाता है, इसके साथ ही विद्यार्थी भारतीय इतिहास के विभिन्न कालखण्डों में सामाजिक, आर्थिक स्थिति, कला एवं संस्कृति का भी संक्षिप्त ज्ञान प्राप्त कर लेता है।

अतीत की घटनाओं से अवगत होकर विद्यार्थी भविष्य निर्माण की ओर अग्रसर होता है, स्नातक इतिहास का पाठयक्रम विद्यार्थी को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु भी तैयार करता है।

COURSE 2 **स्नातकोत्तर इतिहास (एम.ए.)** :- उद्देश्य :- स्नातकोत्तर इतिहास के पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को भारतीय इतिहास के किसी एक कालखण्ड में विशेषज्ञता के साथ इतिहास लेखन की विभिन्न शैलियों से अवगत कराना तथा विश्व के इतिहास की प्रमुख घटनाओं की जानकारी देना है।

OUTCOME स्नातकोत्तर इतिहास के अध्ययन से विधार्थी अपनी रूचि के अनुसार भारत के इतिहास के एक कालखण्ड में विशेषज्ञता हासिल करने के अतिरिक्त भारतीय प्रशासन, भारतीय इतिहास के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाओं, विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं तथा इतिहास लेखन एवं शोध प्रविधियों का ज्ञान हासिल कर उच्चतर अध्ययन हेतु स्वयं को तैयार कर लेता है।

COURSE 3 **प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व :- स्नातक (बी.ए.)** महाविद्यालय प्रदेश का ऐसा एक मात्र संस्थान है, जहाँ पर स्नातक स्तर पर उपरोक्त विषय का अध्ययन - अध्यापन कराया जाता है। उद्देश्य :- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विधार्थी को प्राचीन भारतीय इतिहास के साथ - साथ प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व का ज्ञान कराना है।

OUTCOME स्नातक स्तर पर इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी प्राचीन भारत के इतिहास के अतिरिक्त प्राचीन भारतीय धर्म, दर्शन, संस्कृति एवं पुरालिपियों का गहन ज्ञान प्राप्त कर लेता है। इसके साथ ही विद्यार्थी प्राचीन भारतीय पुरातत्व जैसे अभिलेख, सिक्के, कला एवं स्थापत्य के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेता है।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी के रोजगार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, इसके अध्ययन से विद्यार्थी ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों, संग्रहालयों, अभिलेखागारों आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु भी उपयुक्त अवसर प्रदान करता है।

SOCIOLOGY - COURSE OUTCOME

समाजशास्त्र विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (OUTCOME)

1. भारतीय समाज की ऐतिहासिक एवं दार्शनिक विचारों की अंर्तदृष्टि विकसित करने की क्षमता।

2. सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रियाओं की वैज्ञानिक अवधारणाओं से परिचय।

3. सामाजिक मुद्दों एवं सामाजिक समस्याओं के वैज्ञानिक ज्ञान को विकसित करने में सक्षम।

4. सामाजिक शोध की प्रवृत्ति हेतु प्रेरणा।

5. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार संसाधन एवं स्वरोजगार आदि में चयन का अवसर।

COMMERCE - COURSE OUTCOME

1. To understand the role of business and its implications on society.
2. Understand the conceptual knowledge of accounting and acquire skills of making accounts.
3. They acquire entrepreneurial, legal and managerial skills.
4. Identify the avenues of marketing and banking both traditional and modern.
5. Develop the skills and techniques of communication to be successful in all areas.
6. They can use mathematical and statistical tools in academics, business and research
7. Develop necessary professional knowledge and skills in finance and taxation
8. Implement traditional and modern strategies and practices of costing, banking, economics, marketing, management, auditing and taxation.
9. Students can independently start up their own Business through knowledge of finance and commerce.
10. It improve competency to make eligible and employable in the job market

URDU - COURSE OUTCOME

Course Outcome for U.G. Programme

01. To develop the ability to explain literary terms, concepts and theories.
02. To develop the skills of writing Urdu Ghazals by their own.
03. To write articles, essays for the magazines and news paper.
04. To empower the students mentally rich and healthy.

Course Outcome of P.G. Programme

01. The introduction of the special study of Dr. Sir Mohammad Iqbal student will be able to understand the Philosophy the poet.
02. To provide students a well founded educational base as well as well resource learning environment.
03. To provide and adopt curricular that will prepare the post graduate students for employment and further study for research.
04. To encourage students of Urdu for conducting social and composite cultural researches with the help the classical Urdu literature.
05. To help the students prepare for competitive examination.
06. The syllabus of Means of communications is in tune with global concerns of this area.
07. To prepare them to write scripts of films and T.V. Dramas.

ECONOMICS - COURSE OUTCOME

Course Outcome for U.G. Programme

01. To develop the ability to explain core Economics terms, concepts and theories.
02. To explain the function of market and prices as allocative mechanisms.
03. To apply the concept of equilibrium to both Micro Economics and Macro Economics.
04. To identify key Macro Economics indicators and measures of Economic change, growth and development.

Course Outcome of P.G. Programme

01. The introduction of the advanced Economic theories and its application such as advanced, Micro, Macro, Public Finance will be able to nurture rational thinking.
02. To provide students a well founded educational base as well as well resource learning environment in Economics.
03. To provide and adept curricula that will prepare the post graduate students for employment and further study as economist.
04. To encourage students for conducting social economic researches using survey, mathematical and statistical tools.
05. To help the students prepare for competitive examination.
06. Environmental Economics is in tune with global concerns of this area.

POLITICAL SCIENCE - COURSE OUTCOME

राजनीति विज्ञान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर से पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थी राजनीतिक सिद्धान्त , भारतीय शासन और राजनीति,विशेष रूप से भारतीय संविधान का अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय राजनीति तथा अन्य वैश्विक दृष्टिकोण के प्रति जगरूक हो जाते हैं। सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षा में राजनीति विज्ञान का पाठ्यक्रम उपयोगी साबित हुआ है। विद्यार्थी योग्य प्रशासक, राज्य और समाज का कुशल नेतृत्व तथा सत्ता संभालने की क्षमता रखने में भी सक्षम हो जाते है।

राजनीति विज्ञान में अनुसंधान और विश्लेषण की बुनियादी कार्यप्रणाली से परिचित हो जाते है और उस क्षमता का उपयोग करते हुए, राजनीति के क्षेत्र में विश्लेषण और शोध करने में सक्षम हो जाते है ।

लोकप्रशासन, राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विदेशनीति, कूटनीति, मानव अधिकारों, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों एवं तुलनात्मक राजनीति के प्रमुख सिद्धातों और दृष्टिकोणों को समझने में विद्यार्थी सक्षम हो जाते है।

प्रमुख देशों के संविधानो,राजनीतिक प्रणालियों, प्रमुख विचारधाराओं और राजनीतिक दलो के संगठन, भूमिका अंत में अपने प्रदेश के शासन का संगठन एवं उसकी कार्यप्रणाली से परिचित हो जाते है। इस प्रकार राजनीति शास्त्र का पाठ्यक्रम विद्यार्थीयों के लिए बहुआयामी है।

HOME SCIENCE - COURSE OUTCOME

स्नातक (बी.ए.) (गृहविज्ञान)

गृह विज्ञान पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्राएं स्वयं का व्यवसाय एवं रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगी।

1. खाद्य एवं पोषण एवं स्वास्थ्य के महत्व को समझकर नैदानिक आहार तक्नीशियन, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आई.सी.डी.एस कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर सकेंगी। प्रिजरवेशन यूनिट खोल सकती हैं, रेडी टू कुक एंड सर्व बेकरी खोल सकती हैं।
2. वस्त्र विज्ञान विषय के महत्व को समझ कर टेलरिंग, बुटीक, रंगाई-छपाई, प्रिंटिंग, सिलाई तकनीक विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकती हैं।
3. शैय्या ग्रस्त तथा वृद्ध लोगों को प्राथमिक उपचार एवं प्राथमिक चिकित्सा का अनुभव प्राप्त कर प्राथमिक चिकित्सा निर्देशिका बन सकती हैं।
4. गृह आंतरिक सज्जा, आंतरिक सजावट, रांगोली, अल्पना, सजावटी वस्तुएं, पुष्प सज्जा में कौशल प्राप्त कर स्वयं का व्यवसाय कर सकती हैं।
5. बाल विकास का अध्ययन करके छात्राएं बालवाड़ी केंद्र, परिवार नियोजन निर्देशिका, प्रौढ़ शिक्षा अनुदेशक, ग्राम सेविका, सामाजिक कार्यकर्ता ,पालना घर का संचालन कर सकती हैं।

छात्राएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं

PSYCHOLOGY - COURSE OUTCOME

स्नातक कक्षाओं हेतु कोर्स आउटकम (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

1. विद्यार्थी मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का आधारभूत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी मानसिक रोगों के कारण, निदान एवं उपचार की विधियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी परामर्श के कौशल को विकसित कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी सामुदायिक विकास और सशक्तिकरण के लिए मनोवैज्ञानिक कौशलों का उपयोग कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी व्यक्तिगत भिन्नता ओं के प्रति समझ एवं सम्मान विकसित कर सकेंगे।

स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु कोर्स आउटकम (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

1. विद्यार्थी संज्ञनात्मक प्रक्रियाओं का अध्ययन कर उसका दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी व्यक्तिगत विकास के विभिन्न आयामों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी मनोविकृति विज्ञान के विभिन्न सैद्धांतिक उपागमों से संबंधित ज्ञान को अर्जित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी स्वयं की शक्ति एवं कमजोरियों को पहचानने योग्य बन सकेंगे। चुनौतियों को अवसर में बदलने में सक्षम हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी विकास के नियम एवं सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

पी.जी.डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग कोर्स आउटकम (पाठ्यक्रम प्रतिफल)

1. विद्यार्थी निर्देशन एवं परामर्श मनोविज्ञान का दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के निदान हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग करना सीखेंगे।
3. विद्यार्थी स्वयं को पूर्ण रूपेण क्रियाशील एवं प्रसन्न रखेंगे।
4. विद्यार्थी मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत करने के कौशलों को विकसित कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को समझकर व्यवहार परिमार्जन करने योग्य बन सकेंगे।

उपरोक्त पाठ्यक्रम से नारी सशक्तिकरण होगा जिससे समाज एवं राष्ट्र का विकास हो सकेगा।

MUSIC - COURSE OUTCOME

1. शास्त्रीय संगीत द्वारा प्राचीन संस्कृति से अवगत कराना।
2. कंठसाधना द्वारा योगाभ्यास करावाना।
3. भारतीय संस्कृति एवं दर्शन के महत्व को समझाना।
4. छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास करना।
5. छात्राओं को आध्यात्म से जोड़ना।
6. स्वयं की संगीतिक प्रतिभा को उजागर करना।
7. संगीत द्वारा स्वरोजगार कर आत्मनिर्भर बनाना।
8. छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना।
9. छात्राओं में संगीत द्वारा स्वानुशासन निर्मित करना।
10. कलाकार बनने की प्रेरणा देना।

PHILOSOPHY - COURSE OUTCOME

दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर संचालित किये जाते हैं।

COURSE 1 **स्नातक (बी.ए.) (दर्शनशास्त्र)** :- उद्देश्य :- स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल लोकिक अवधारणाओ को जानने का प्रयास करना होता है बल्कि छात्रायें पाश्चात्य दर्शन की ज्ञानमीमांसा एवं तत्वमीमांसीय अवधारणाओं से अवगत होकर अपने ज्ञान के क्षेत्र का विकास करती है।

OUTCOME तर्कशास्त्र की आगमन, निगमन पद्धतियों , अनाकारिक तर्कदोषों, तार्किक संयोजको की सत्यता एवं वैद्यता के वैज्ञानिक एवं अवेज्ञानिक व्याख्याओं का ज्ञान अर्जित करेंगी। साथ ही नई शिक्षा नीति में समावेशित नीतिशास्त्र से विद्यार्थी नियमों का महत्व समझेंगे। योग दर्शन से उनका मानसिक स्वास्थ्य बढ़ेगा एवं रामचरितमानस से अपने पवित्र ग्रंथों के मूल्यों का अवलोकन कर पाएंगे। ज्ञान एवं तर्क से अवगत होकर विद्यार्थियों की मानसिक क्षमता का विकास होगा। दर्शनशास्त्र का स्नातक पाठ्यक्रम छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षा देने हेतु सक्षम करेगा।

COURSE 2 **स्नातकोत्तर (एम.ए.) (दर्शनशास्त्र)** :- उद्देश्य :- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को समकालीन दर्शन के दार्शनिकों के सिद्धांतों को पढ़कर विश्लेषण एवं संश्लेषण की प्रकिया को समझाने का प्रयास किया जाता है।

OUTCOME छात्राओं को धर्मदर्शन से धर्म के नाम पर हो रहे आडम्बर, धर्म के सही स्वरूप, ईश्वर के सही स्वरूप, अनीश्वरवाद, मनुष्य एवं जगत के मध्य संबंध इत्यादि विषयों का ज्ञान कराया जाएगा। वेदांत, उपनिषद, गीता के अमूल्य सिद्धांतों से अवगत करवाया जाएगा, साथ ही आधुनिक भारतीय चिंतन से स्वामी विवेकानंद, टेगोर, ओशो, महात्मा गांधी जैसे महान दार्शनिकों के दर्शन का ज्ञान भी होगा। नीतिशास्त्र के नियम उन्हें नीति का महत्त्व समझाएंगे । आधुनिकता एवं प्राचीन सिद्धांतों (अद्वैतवेदांत) को पढ़ने से छात्राओं का समग्र विकास होगा। छात्राऐं प्रतियोगी परीक्षा हेतु स्वंय को तैयार कर सकेंगीं।

DRAWING & PAINTING - COURSE OUTCOME

स्नातक (बी.ए.) (चित्रकला)

बी.ए. पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्राएं स्कूल में पढ़ा सकती है साथ ही स्वयं का रोजगार भी खोल सकती हैं ।

एम.ए. के पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्राएं शोध कार्य कर उच्च शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक बन सकती हैं साथ ही स्वरोजगार भी खोल सकती हैं ।

उपरोक्तनुसार अपना ट्रेनिंग स्कूल तथा कला से जुड़े प्रत्येक कार्य का प्रशिक्षण दे सकती हैं।

SANSKRIT - COURSE OUTCOME

संस्कृत विभाग द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम स्नातक स्तर पर संचालित किये जाते हैं।

COURSE 1 **स्नातक (बी.ए.) (संस्कृत)** :- उद्देश्य :- पाठ्यक्रम का उद्देश्य संपूर्ण वैदिक संहिताओ और संस्कृत व्याकरण का परिचय कराना। आर्षकाव्य एवं लौकिक काव्य, गद्य दर्शन एवं व्याकरण, महाकाव्य एवं नाटक, काव्य व्याकरण और भाषा विज्ञान के साथ-साथ काव्य रस छंद एवं अलंकारों का परिचय कराना आदि ।

OUTCOME स्नातक स्तर पर संस्कृत के अध्ययन से संपूर्ण वैदिक साहित्य की ज्ञान महिमा से छात्रएं लाभान्वित होंगी। व्याकरण के माध्यम से संस्कृत भाषा साहित्य की संरचना की समझ में सहायक होंगे । आर्षकाव्य एवं लौकिक काव्यों की परंपराओं को सीख सकेंगे। छात्राओं में विभिन्न गद्य विधाओं, भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति एवं भारतीय कला एवं तकनीकी विज्ञान, वाक्य निर्माण व प्रयोग कर सकेंगे। छात्राओं विभिन्न काव्य ग्रंथों, नाटक के परिभाषिक शब्दों, नाटयकारों एवं कृतियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। छात्राएं संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं से अवगत होंगे।

अतः संस्कृत स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम के अध्ययन से समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु भी तैयार करता है।

ENGLISH - COURSE OUTCOME

The department is instrumental in running two programs viz-

(a) B.A. with English Literature / English Language

(b) M.A. (English Literature)

The major outcomes of the above programs are as under -

1- To generate Communication Skills amongst the students.

2- To ensure Personality Development leading to Women Empowerment.

3- To prepare the students as per the requirements of the industry.

4- To make the students understand the feelings, thoughts, emotions and social values of the milieu.

5- To emphasize on women-centric issues of society.

6- To develop in the students the ability to undertake Comparative Studies of Literary Outputs in the English Speaking World.

7- To make the students employable in consonance with the mission and vision of college.

HINDI - COURSE OUTCOME

COURSE 1 स्नातक (बी.ए.) (हिन्दी साहित्य) :-

1. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करके विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास की समृद्ध परंपरा और उसकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेगा।
2. हिंदी भाषा के इतिहास के साथ गद्य की प्रमुख विधाओं के विकास क्रम और श्रेष्ठ रचनाओं का अध्ययन कर सकेगा।
3. साहित्य को पढ़कर सामाजिक सरोकारों से जुड़ सकेगा और संवेदनशील नागरिक बनकर देश के उत्थान में अपना योगदान दे सकेगा।
4. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर शिक्षा के क्षेत्र में , आकाशवाणी, दूरदर्शन, प्रेस, मीडिया और विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेगा

COURSE 2 स्नातकोत्तर (एम.ए.) (हिन्दी साहित्य) :-

1. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करके विद्यार्थी हिंदी साहित्य की गहन और व्यापक समझ प्राप्त कर सकेगा।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास, पुनर्लेखन, काल विभाजन के साथ हिंदी कविता और सभी गद्य विधाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
3. विद्यार्थी राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकेगा।
4. साहित्य की वर्तमान संदर्भों में प्रासंगिकता सिद्ध कर सकेगा।
5. प्रयोजनमूलक हिंदी की जानकारी प्राप्त करके विभिन्न कार्यालयों में रोजगार प्राप्त कर सकेगा।
6. समाचार पत्र, मीडिया के क्षेत्र में तथा आकाशवाणी, दूरदर्शन में उद्घोषक और स्क्रिप्ट राइटर का कार्य कर सकता है।
7. विज्ञापनों के जिंगल लिख सकता है ,इसके अतिरिक्त शोध कार्य कर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकता है।
8. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों के संवेदनात्मक ज्ञान का विकास हो सकेगा जिससे वह चेतना संपन्न और संवेदनशील नागरिक बनकर समाज के सामाजिक और आर्थिक विकास में अपना योगदान दे सकेगा।

GEOGRAPHY - COURSE OUTCOME

Course Outcome for U.G. Programme

- To help students to understand different types of economics activities.
- To enable the students to know about their own country, land formation, climate and natural vegetation.
- To know and understand globalization and Indian economy. And also understand the regional distribution of resource.
- Gain knowledge about concept, scope of environmental geography and components of environment.
- Develop the Idea about human environment relationships, build an idea about ecosystem and know about environment programmes and policies.
- Learn the significance of statistics in Geography. Understand the importance of use of data in Geography.
- Have knowledge of the principles of remote sensing. Training in the use of GIS software for contemporary mapping skills.
- Identify farming in humid areas.

Course Outcome of P.G. Programme

- To help students to understand the physiographic division of India.
- Acquire basic concept in geographical thought ancient, Medieval and modern period recent trends and explanation in geography.
- Acquire knowledge and clear concept of the different survey instruments.
- Acquire clear concepts of climatology, greater understanding of the nature and scope of climatology, Ocean atmospheric interaction, climate and its impact.
- Students would be able to develop awareness towards judicious use of resources and their conservation.
- To provide student advance knowledge on maps cartography, topographical sheet reading ability and exhibit the skill in using prismatic compass.
- Develop the practical concepts of urban geography related to spatial analysis of geographical data morphology of urban area.
- Students will be able to evaluate the human and cultural geographic resources and classes of tourism.
- Students will understand about the agriculture, nature, scope, significance and development of agriculture geography, study approaches applied in agriculture.
- Students will acquire knowledge and clear concept of the different survey instruments. Acquire competence in handling surveying in individual capacity.
- Acquire knowledge and training to collect and analyze data from the primary and secondary sources.
- Acquire clear concepts of population geography and demographic studies, assessment of vital statistics of population data.
- Delineation of formal and functional region, identity the best measures of inequality and various indicators of regional development.
- This course will provide to students an advanced knowledge on biodiversity and spatial patterns of biological diversity and understand critically human impacts on species.

शासकीय मानकुवँरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर

अकादमिक कार्यक्रम परिणाम PROGRAM OUTCOME

कला संकाय (स्नातक स्तर)

1. अकादमिक ज्ञान और मौलिक कौशल की प्राप्ति।
2. व्यक्तित्व विकास और समाजिक, नैतिक मूल्यों को विकसित करना।
3. आधार पाठ्यक्रम के माध्यम से मूल्य शिक्षा सुनिश्चित करना।
4. हिन्दी ,अंग्रेजी, उद्यमिता, पर्यावरण और कंप्यूटर जागरूकता के प्रति रुझान विकसित करना ।
5. साहित्य के अध्ययन के द्वारा संवेदनशीलता विकसित करना।
6 संगीत, चित्रकला विषय विद्यार्थी की रचनात्मकता को उद्दीप्त करते है।
7. भूगोल, अर्थशास्त्र ,राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र जैसे विषय छात्रा को भावी नागरिक के रूप में विकसित करते है।

कला संकाय (स्नातकोत्तर स्तर)

1. स्नातकोत्तर अध्ययन छात्राओं को राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान से पुष्ट करते हैं।
2. रोजगार परक उच्च शिक्षा प्रदान करना, विविध विषयों की गहन जानकारी प्रदान करना।
3. छात्राओं को शोध की ओर संलग्न करने का कार्य करना।
4. प्रभावी संचार और सार्थक वार्तालाप के साथ गंभीर चिंतन को जागृत करना।
5. अनुसंधान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना।
6. प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु छात्राओं को तैयार करना।

पी. जी. डिप्लोमा

1. नैदानिक मनोविज्ञान - छात्राओं को विविध संस्थानों में मनोवैज्ञानिक परामर्शता के रूप में रोजगार के अनुसार उपलब्ध हैं।
2. आतंरिक साज सज्जा - वर्तमान काल में आतंरिक साज सज्जा के रूप में रोजगार, स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध है।
3. लोकप्रशासन - प्रतिभागी परीक्षाओं में लोक प्रशासन विषय महत्वपूर्ण हैं तथा स्थानीय प्रशासन स्तर पर विविध रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

वाणिज्य संकाय (स्नातक स्तर)

1. छात्राओं को व्यापार बैंकिंग निवेश और बाजार संबंधी आधारभूत ज्ञान से परिपूर्ण करना।
2. छात्राओं को रोजगार परक शिक्षा प्रदान करना ।
3. राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों के प्रति समझ विकसित करना।
4. कंप्यूटर एप्लीकेशन विषय के माध्यम से आधुनिक वर्तमान आर्थिक कार्य विधि के प्रति समझ विकसित करना।

वाणिज्य संकाय (स्नातकोत्तर स्तर)

1. वाणिज्य के विषयों के गहन और व्यापक अध्ययन के द्वारा छात्राओं में गहन व्यापारिक समझ विकसित करना।
2. वाणिज्य के क्षेत्र में कौशल विकसित करना।
3. व्यावहारिक रूप से छात्राओं को पेशेवर शिक्षा प्रदान करना।
4. छात्राओं को नवीन समझ विकसित करने में सहायता प्रदान करना।
5. छात्राओं की संज्ञानात्मक चेतना को विकसित करना।